



UGC NET

DAILY 12:00 PM

FILLERFORM LIVE NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य (PAPER-2)

हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप

इकाई-1 (भाग-19)

BY JYOTI MA'AM



+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

December 28

Channel created

Channel photo changed



1,711
Posts

6,845
Followers

7
Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

- 1. Baisc computer
- 2. Web development
- 3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

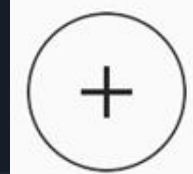
Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions

Insights

Contact



New



15K Sub



YouTube



2000 users

UGC NET 100%

Off Free Class



Free Notes



Live Class



5000+MCQ+PYQ



Free Books

100% OFF

Filler Form

LATEST UPLOADS

UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude

"Level of Teaching"



इस

त

www.filler

11:00 AM Level Of Teaching | Teaching

इस बार

11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
Aptitude By Jitendra Goswami | NET

इस बार
ugc ne

LEARNING MATERIAL



Quizzes

Notes



Sample
Papers

Quiz Start

UGC NET

Paper 1st & 2nd

Coming Soon



Join UGC NET Quiz

- **09:30 AM- GK**
- **11:50 AM- Paper 1st**
- **02:50 PM- Paper 1st PYQ**
- **05:00 PM- 2nd Paper**
- **09:50 PM- Math MCQ**



www.ugc-net.com



इकाई - I

हिन्दी भाषा और उसका विकास।

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं—पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना –उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप:-
बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
और संपर्क भाषा

इकाई-1 (भाग-19)

हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप:-

बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा

1. बोली

1. प्रत्येक भाषा का विकास बोलियों से ही होता है।
2. भाषा व बोलिया एक दूसरे को समृद्ध करते हैं।
3. उदाहरण :- जैसे हिंदी भाषा भाषा विज्ञान की दृष्टि से भाषाओं के आर्य वर्ग की भारतीय आर्य शाखाओं की एक भाषा है और ब्रजभाषा, अवधी, हरियाणवी आदि इनकी उपभाषा या बोलियां हैं।

४. बोली भाषा की छोटी इकाई है।
५. इसका संबंध सीमित क्षेत्र से होता है।
६. बोली में व्यक्तिगत बोलचाल के माध्यम की प्रधानता रहती है।
७. बोली में देशज व घरेलू शब्दावली का बाहुल्य होता है।
८. यह मुख्य रूप से बोलचाल की भाषा होती है।
९. इसका रूप कुछ कुछ दूरी पर बदलते हुए पाया जाता है तथा लिपिबद्ध न होने के कारण इसमें साहित्यिक रचनाओं का अभाव रहता है।

हिंदी की बोलियां

शौरसेनी अपभ्रंश

अर्धमगधी अपभ्रंश

मागधी अपभ्रंश



2. मानक भाषा :- किसी भाषा की वह भाषा प्रयुक्ति जो किसी समुदाय, राज्य या राष्ट्रीय में संपर्क भाषा का दर्जा रखे और लोक-संवाद में प्रयोग हो ऐसी भाषाओं की मानवीकरण की प्रक्रिया से गजारकर मानक बना दिया जाता है जिसमें उनके लिए औपचारिक व्याकरण, शब्दकोशों का गठन व प्रकाशन किया जाता है।

उदाहरण :- १. मैंने भोजन कर लिया है ।

२. मैंने खाना खा लिया है।

३. मैंने भोजन खा लिया हूँ।

५. हम खाना खा लिए हैं।

विद्वानों के अनुसार मानक भाषा में चार तत्वों का होना आवश्यक है:-

उदाहरण - हिंदी भाषा

१. ऐतिहासिकता - (हिंदी का गौरवशाली इतिहास)
२. मानकीकरण- (हिंदी का विकसित मानक रूप)
३. जीवंतता
४. स्वायत्तता- हिंदी आत्मनिर्भर भाषा है ।
(स्वतंत्र शब्दावली व व्याकरण)

मानक हिंदी का प्रयोग

उदाहरण

अमानक

रूप

गड्ढा

ख

मिट्टी

गाँधी

विद्यालय

डाक्टर

श्रीमति

स्थाई

इंदु

विश्व



मानक

रूप

गड् ढा

ख

मिट् टी

गांधी

विद् युलय

डॉक्टर

श्रीमती

स्थायी

इंदु

विश् व्

3. राजभाषा

1. किसी देश के प्रशासनिक कार्यों को संपन्न करने के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है उसे राजभाषा कहते हैं।
2. हिंदी को राजभाषा का दर्जा - 14 सितंबर 1949 में मिला।
3. भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343- 351 तक राजभाषा का प्रावधान किया गया है।
4. यह सरकार की भाषा होती है अतः यह केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की एक अथवा भिन्न-भिन्न भी हो सकती है।

उदाहरण भारत सरकार – हिंदी अंग्रेजी

तमिलनाडु सरकार - तमिल उत्तर

प्रदेश सरकार - हिंदी , उर्दू

4. राष्ट्रभाषा

1. वह भाषा जो एक पूरे राष्ट्र और देश द्वारा समझी बोली जाती है वह राष्ट्र की संस्कृति से संबंधित होती है ।
2. यह पूरे देश की होती है।
3. हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा नहीं है।
4. हिंदी भाषा में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है ।

5. उदाहरण :-

चाइना की राष्ट्रभाषा- चीनी भाषा
जापान की राष्ट्रभाषा - जापानी भाषा

१. ऐसी भाषा जो किसी क्षेत्र में सामान्य रूप से किसी भी ऐसी व्यक्ति के बीच प्रयोग हो जिसकी मातृभाषाएँ अलग हैं ।
२. अन्य नाम - सेतु भाषा , वाहन भाषा, व्यापार भाषा ।
३. आधुनिक काल में विश्व की संपर्क भाषा अंग्रेजी है ।
४. इसे कई भाषाओं में लिंगआ- फैंका कहते हैं ।
५. संपर्क भाषा जरूरी नहीं कि व्याकरण के नियम से बंधी हो ।
६. यह दो या अधिक राज्यों के बीच तथा केंद्र और राज्यों के बीच भी संपर्क स्थापित करती है।

FEEDBACK



धन्यवाद....

For More Information



8209837844

www.ugc-net.com

 /Fillerform  /Fillerform  /Fillerform

 info@fillerform.com